शब्दार्थ हैं, जिनसे भाव स्पष्ट...

5. विभिन्न आधारों पर काव्य के भेद

काव्य के भेद

- काव्य के 2 प्रधान भेद हैं—1. दृश्य काव्य और 2. श्रव्यकाव्य श्रव्य काव्य तीन भेद होते हैं–गद्य, पद्यकाव्य और चंपूकाव्य।
- स्वरूप विधान की दृष्टि से काव्य के 5 भेद हैं—1. महाकाव्य 2. 3. आख्यायिका 4. कथा 5. मुक्तक।
- विषय के आधार पर काव्य के 4 भेद हैं— 1. ख्यातवृत्त 2. कल्पित 3. क और 4. शास्त्राश्रित।

Scanned with CamS

समास के आधार पर गद्य काव्य के 3 भेद हैं—1. मुक्तक (समास का सर्वथा अभाव) 2. चूर्णक (जिसमें अल्प समास हो) और 3. उत्कलिका (समासों का बाहुल्य तथा लंबे-लंबे समासों का प्रयोग)।

बंधाबंध के आधार पर काव्य के 2 भेद हैं—1. प्रबंध और 2. मुक्तक। प्रबंध के भी 2 भेद होते हैं-1. महाकाव्य और 2. खंडकाव्य।

रमणीयता के आधार पर काव्य के 3 भेद हैं—1. उत्तम 2. मध्यम और 3. अधम काव्य।

छंद के सद्भाव के आधार पर काव्य के 3 भेद होते हैं—1. गद्य 2. पद्य और 3. मिश्र।

6. काव्य के भेदों की तालिका

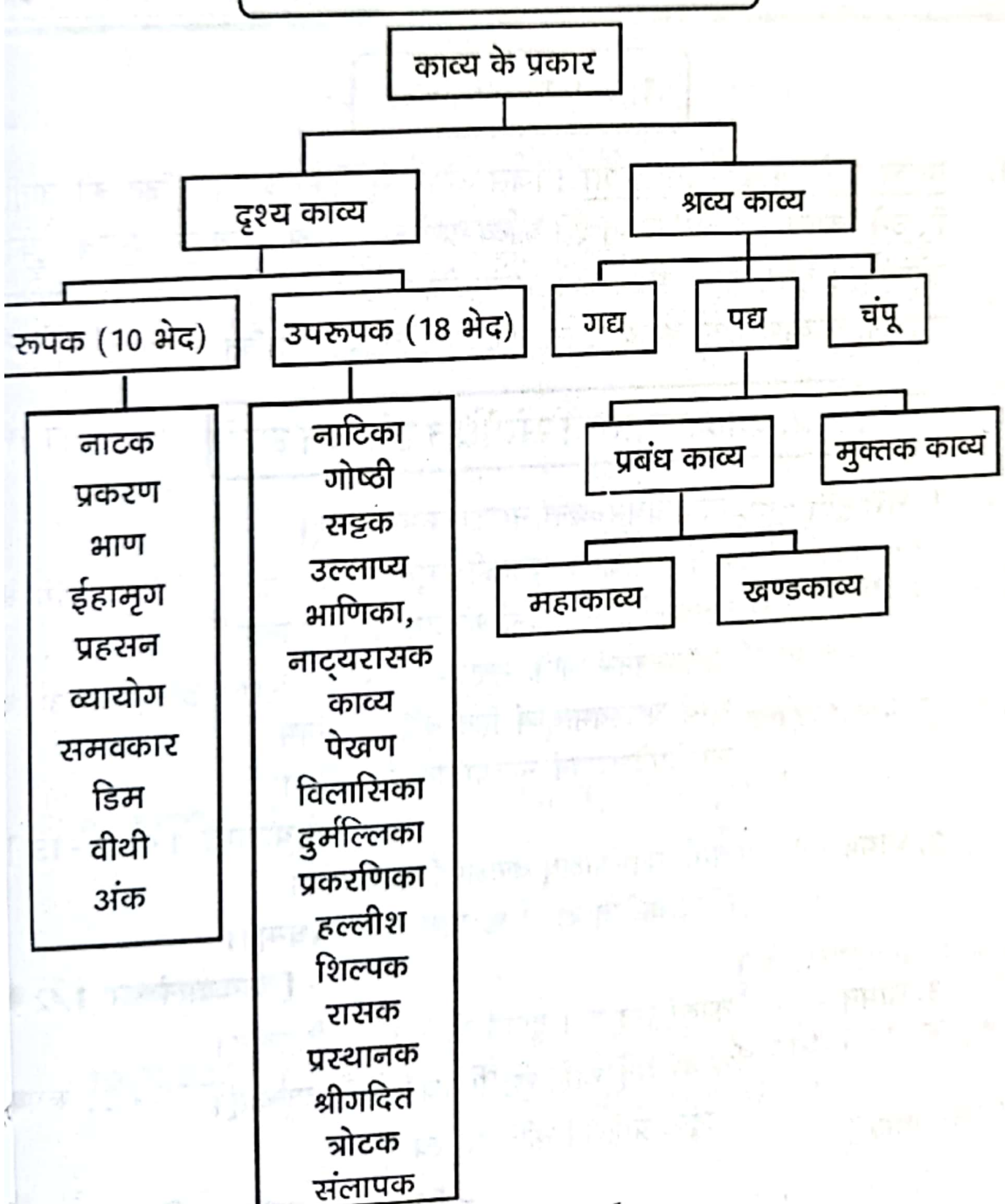

Scanned with CamScanner